आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 23.03.2026 समय : 0705

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की।
- सांसद बिष्णु पद रे ने द्वीपों में पर्यावरणीय शासन और तटीय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला है।
- वन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय मैंग्रोव कार्यशाला का कल समापन हो गया।
- भारतीय खेल प्राधिकरण ने 'फिट इंडिया ट्राइबल स्पोर्ट्स फेस्टिवल – कार निकोबार 2026' का आयोजन किया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में स्थिति और चल रहे तथा प्रस्तावित राहत उपायों की समीक्षा के लिए मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति–सीसीएस की बैठक की अध्यक्षता की। श्री मोदी ने कहा कि यह संघर्ष लगातार बदलती हुई स्थिति है और इससे पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में प्रभावित है। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी अंग मिलकर काम करें ताकि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए भी कहा ताकि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाज़ारी और जमाखोरी न हो। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और सचिवों के एक समूह के गठन का निर्देश दिया जो समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ समर्पित रूप से काम करेगा। बैठक के दौरान कृषि, उर्वरक, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, निर्यातक, शिपिंग, व्यापार, वित्त, सूक्ष्म–लघु और मध्यम उद्यम, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य सभी प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षित प्रभाव और उससे निपटने के लिए उठाए गए उपायों पर चर्चा की गई।

<><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने द्वीपों में पर्यावरणीय शासन और तटीय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला है। सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने लिखे पत्र में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और CRZ अधिसूचना, 2019 के मौजूदा ढांचे में एक बुनियादी कमी की ओर इशारा किया है। उन्होंने अपशिष्ट पदार्थों का उचित प्रबंधन, डीजल आधारित बिजली पर निरंतर निर्भरता, सीवेज उपचार और अपशिष्ट प्रबंधन के

बुनियादी ढांचे में कमी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में हो रही समस्याओं का मुद्दा उठाया है। सांसद ने 'परफॉरमेंस–बेस्ड कोस्टल मैनेजमेंट फ्रेमवर्क' का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने पर्यटन को बेहतर बनाने के लिए हवाई किराए को तर्कसंगत बनाए जाने और पर्यटकों पर रुकने की अवधि के आधार पर 'आइलैंड सस्टेनेबिलिटी शुल्क' लगाए जाने पर जोर दिया।

<><><><><><><>

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' खोलने की योजना शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सस्ती, जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाएं उपलब्ध कराना है। पंजीकृत प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र और सहकारी समितियां, जिनके पास कम से कम 120 वर्ग फुट की जगह, एक पंजीकृत फार्मासिस्ट और राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण से दवा बिक्री का लाइसेंस हो, पात्र हैं। प्रत्येक राजस्व ब्लॉक में केवल एक केंद्र की ही अनुमति होगी। सरकार इस योजना में संचालकों को वित्तीय सहायता के तहत आकांक्षी जिलों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपसमूह और पूर्वोत्तर राज्यों में केंद्र खोलने पर 1.5 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी। केन्द्र में केवल भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो द्वारा आपूर्ति की गई दवाएं ही बेची जा सकेंगी। बिलिंग के लिए आधिकारिक Point-of-Sale सिस्टम का उपयोग अनिवार्य है। इन केंद्रों पर एथ्नो–वेटेरनरी उत्पाद और प्रमाणित पशु आहार भी बेचे जा सकते हैं। इसके लिए आवेदन शुल्क 5,000 रुपये, जबकि आकांक्षी क्षेत्रों के लिए निशुल्क है। आवेदन ऑनलाइन माध्यम से pashuaushadhi.dahd.gov.in पर किए जा सकते हैं। विस्तृत दिशा–निर्देश dahd.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

वन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय मैंग्रोव कार्यशाला का कल समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में छात्रों और शोधकर्ताओं से मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र की गहरी समझ विकसित करने का आग्रह किया, जो न केवल विभिन्न जीवन रूपों का आधार है बल्कि स्थानीय आजीविका में भी सहायक है। कार्यक्रम में वन आनुवंशिकी संस्थान, कोयंबटूर के डॉ. बी. नागराजन, वैज्ञानिक–जी विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला के दौरान पांच विषयों पर सत्र आयोजित किए गए जिसमें तटीय सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के शमन में मैंग्रोव की भूमिका, मैंग्रोव जैव विविधता और उससे जुड़ा समुद्री जीवन, मैंग्रोव वनों में ईको–टूरिज्म की संभावनाएं, मैंग्रोव बहाली की तकनीकें और सर्वोत्तम अभ्यास तथा सामुदायिक भागीदारी और मैंग्रोव से जुड़े आजीविका के अवसर

शामिल थे। मुख्य वन संरक्षक डॉ. एस. दिनेश कन्नन ने अनुसंधान समुदायों के लिए भारत सरकार की पहल 'नेशनल कोस्टल मिशन' के तहत उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में द्वीपों और मुख्य भूमि के कॉलेजों, गैर–सरकारी संगठनों और शिक्षकों द्वारा कुल 17 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

<><><><><><><>

भारतीय खेल प्राधिकरण, कार निकोबार ने अग्निशमन विभाग के सहयोग से हाल ही में 'फिट इंडिया ट्राइबल स्पोर्ट्स फेस्टिवल – कार निकोबार 2026' के अंतर्गत मैराथन क्रॉस कंट्री इवेंट का आयोजन किया। महिलाओं और लड़कियों की श्रेणी में कुल 150 प्रतिभागियों को किनयुका गांव के प्रथम प्रधान डेरिक जैकब ने झंडी दिखाकर रवाना किया, जबकि पुरुष एवं बालक श्रेणी के प्रतिभागियों को 172 इन्फैंट्री बटालियन, मद्रास के कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीहरि कुगाजी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अग्निशमन विभाग द्वारा प्रस्तुत 'वॉटर सैल्यूट' था। पुरस्कार वितरण समारोह में निकोबार जिला उप–पुलिस अधीक्षक सोलोमन सैमुअल, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

<><><><><><><>

द्वीपों के पद्मश्री से सम्मानित नरेश चंद्र लाल को कल नई दिल्ली स्थित संगीत नाटक अकादमी की सामान्य परिषद के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है। अपने कार्यकाल की पहली सामान्य परिषद की आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए श्री लाल आज दिल्ली जाएंगे।

<><><><><><><>

पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग की ओर से ग्रेट निकोबार द्वीप के राजीव नगर गांव में 'पिगलेट प्रबंधन और पिगलेट्स के दांत काटने का प्रदर्शन' विषय पर दो व्यावहारिक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य सुअर पालन में वैज्ञानिक प्रबंधन और पिगलेट्स के दांत काटने की तकनीक का पर जानकारी देना है। इसके अलावा मादा सुअर की सुरक्षा, मैस्टाइटिस से बचाव, और उत्पादकता में वृद्धि के बारे में भी चर्चा की गई। यह पहल दूरदराज के द्वीपों के किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने की विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

<><><><><><><>

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग में वेटरनरी कंपाउंडर के रिक्त पदों में भर्ती के लिए 8 चयनित उम्मीदवारों की सूची विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। चयनित

उम्मीदवारों का दस्तावेज़ों का सत्यापन कार्य कल किया जाएगा। उम्मीदवारों के कार्यभार न संभालने या कार्यभार संभालने के बाद इस्तीफा देने के कारण शेष बचे रिक्त पदों को मेरिट सूची के आधार पर भरा जाएगा। अधिक जानकारी विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए है।

<><><><><><><>

मत्स्य संग्रहालय–सह–एक्वेरियम आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण कार्यों के कारण 27 मार्च तक अस्थायी रूप से बंद किया गया है। कार्य के पूर्ण होते ही मत्स्य संग्रहालय–सह–एक्वेरियम में सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए मत्स्य निदेशालय से संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>